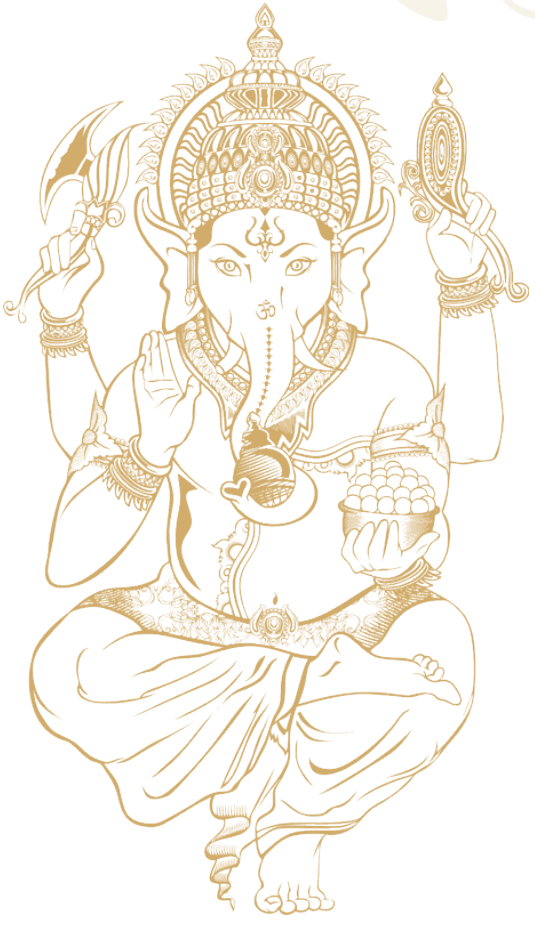

Subhash

27 Oct 1961

08:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121400503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/10/1961**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**20:00:00 घंटे**
इष्ट	33:46:04 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:16:06 घंटे
साम्पातिक काल	22:01:43 घंटे
सूर्योदय	06:29:34 घंटे
सूर्यास्त	17:40:19 घंटे
दिनमान	11:10:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	10:36:48 तुला
लग्न के अंश	21:31:46 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	परिघ
करण	बालव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	21:31:46	359:50:26	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	---
सूर्य			तुला	10:36:48	00:59:53	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			वृष	27:49:10	12:59:25	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	तुला	24:24:58	00:42:01	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	तुला	00:37:36	00:46:33	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
गुरु			मक	05:49:19	00:06:15	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	नीच राशि
शुक्र			कन्या	18:26:07	01:14:36	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	नीच राशि
शनि			मक	00:38:41	00:02:53	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	स्वराशि
राहु	व		सिंह	01:04:45	00:07:51	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	01:04:45	00:07:51	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			सिंह	06:30:44	00:02:06	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	---
नेप			तुला	17:27:43	00:02:14	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
प्लूटो			सिंह	16:16:10	00:01:21	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	04:56:07	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:19:14

लग्न-चलित

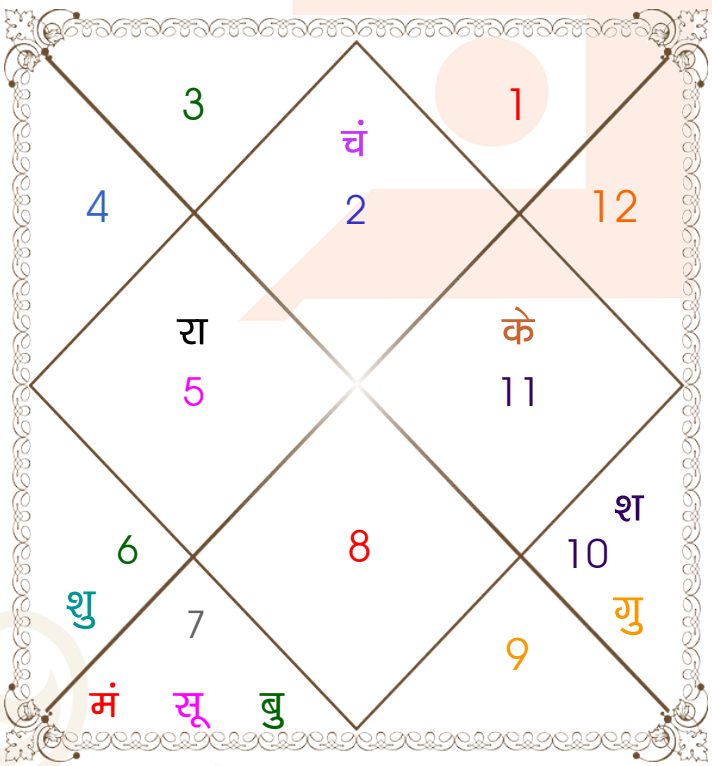

चन्द्र कुंडली

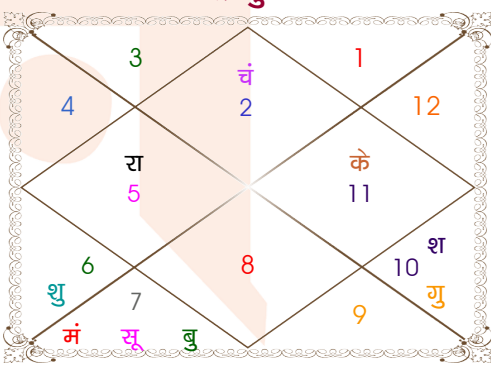

नवमांश कुंडली

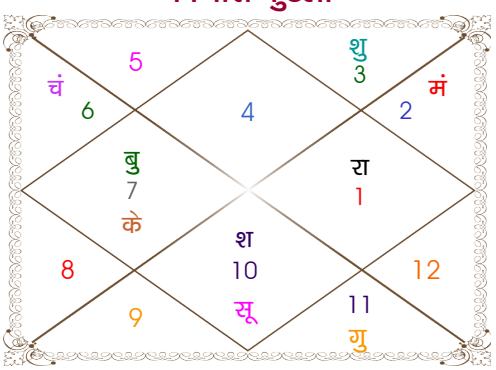

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 7 मास 22 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
27/10/1961		20/06/1966		19/06/1984		19/06/2000		20/06/2019	
20/06/1966		19/06/1984		19/06/2000		20/06/2019		19/06/2036	
	00/00/0000	राहु	02/03/1969	गुरु	08/08/1986	शनि	23/06/2003	बुध	16/11/2021
	27/10/1961	गुरु	27/07/1971	शनि	18/02/1989	बुध	02/03/2006	केतु	13/11/2022
गुरु	10/11/1961	शनि	02/06/1974	बुध	27/05/1991	केतु	11/04/2007	शुक्र	13/09/2025
शनि	19/12/1962	बुध	19/12/1976	केतु	02/05/1992	शुक्र	11/06/2010	सूर्य	20/07/2026
बुध	17/12/1963	केतु	06/01/1978	शुक्र	01/01/1995	सूर्य	24/05/2011	चंद्र	20/12/2027
केतु	14/05/1964	शुक्र	06/01/1981	सूर्य	20/10/1995	चंद्र	22/12/2012	मंगल	16/12/2028
शुक्र	14/07/1965	सूर्य	01/12/1981	चंद्र	18/02/1997	मंगल	31/01/2014	राहु	05/07/2031
सूर्य	19/11/1965	चंद्र	02/06/1983	मंगल	25/01/1998	राहु	07/12/2016	गुरु	10/10/2033
चंद्र	20/06/1966	मंगल	19/06/1984	राहु	19/06/2000	गुरु	20/06/2019	शनि	19/06/2036

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/06/2036		20/06/2043		20/06/2063		20/06/2069		20/06/2079	
20/06/2043		20/06/2063		20/06/2069		20/06/2079		00/00/0000	
केतु	15/11/2036	शुक्र	20/10/2046	सूर्य	08/10/2063	चंद्र	20/04/2070	मंगल	16/11/2079
शुक्र	16/01/2038	सूर्य	20/10/2047	चंद्र	07/04/2064	मंगल	19/11/2070	राहु	04/12/2080
सूर्य	23/05/2038	चंद्र	20/06/2049	मंगल	13/08/2064	राहु	20/05/2072	गुरु	27/10/2081
चंद्र	23/12/2038	मंगल	20/08/2050	राहु	08/07/2065	गुरु	19/09/2073		00/00/0000
मंगल	21/05/2039	राहु	19/08/2053	गुरु	26/04/2066	शनि	20/04/2075		00/00/0000
राहु	07/06/2040	गुरु	19/04/2056	शनि	08/04/2067	बुध	19/09/2076		00/00/0000
गुरु	14/05/2041	शनि	20/06/2059	बुध	13/02/2068	केतु	20/04/2077		00/00/0000
शनि	23/06/2042	बुध	20/04/2062	केतु	19/06/2068	शुक्र	19/12/2078		00/00/0000
बुध	20/06/2043	केतु	20/06/2063	शुक्र	20/06/2069	सूर्य	20/06/2079		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 8 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगे।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ते रहेंगे। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगे, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगे। आप कभी भी छलांग नही लगाते। आप समय की प्रतिक्षा करते हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करते हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करते हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहते हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेते हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करते हैं। परिणाम रुवरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगे। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगे।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगे। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकते हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकते हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाते हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद के गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगे।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगे।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगे।

आप अपने परिवार को अच्छि प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था करेंगे।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाले हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकते हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकते हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।